रात्रि क्लास 7-8-68 ओमशान्ति पिताश्री शिव बाबा याद है?

साहब साहबज़ादों को रोज2 क्या समझाते रहते हैं। अभी साहबज़ादे यह तो समझ गये हैं पुरानी दुनिया न रहेंगी। यह तो निश्चय होना चाहिए। इस समय दुःख है, अर्थक्वेक्स आद होते रहते हैं, लड़ाई झगड़े क्या न होता है। अनाज़ कितना महंगा पड़ता है। सोना चांदी कितना महंगा। अभी इन सभी दुःखों से दूर कौन करे। वन्डर है बाप का निश्चय नहीं होता है। तब ही कहा जाता है निश्चय बुधि विजयन्ति। जहां तहां लड़ाईयां है इनका अभी फैसला कौन करे। बाप समझाते हैं सभी दुःख दूर हो जानी है। फिर लड़ाईयां लगेंगी ही नहीं। अभी तो सभी अन्डर में डरते रहते हैं। तूफान बहुत हैं। पुरानी दुनिया को आग जैसे कि लग चुकी है। तूफान तेज आय तो भुर्भुट भी लग जाये। तुम बच्चे जानते हो बाप को याद करना है। और दैवी गुण भी धारण करनी है। याद की यात्रा को समझे तब घर-गृहस्थ में भी रह सकेंगे। इस जन्म के पाप तो बाप को सुनाने से हल्के हो जावेंगे। जन्म जन्मान्तर के पाप जो सिर है वह तो याद की यात्रा से ही उतारनी है। बच्चों को तो निश्चय है हमको बाप पढ़ाते हैं। दुनिया को यह पता नहीं है। कोटों में कोई ही निकल आये और कहे यहां तुम लोग भाषण करो। बच्चों को निमंत्रण मिलती है भाषण की। सन्त महात्मा को भी कहते हैं आकर भाषण करो कब गीता का, कब वेद-उपनिषद का भाषण करते हैं। उनको पता नहीं है कि यह भगवानुवाच है। भगवान तो है बाप। बाप बैठ बच्चों को श्रीमतदेते हैं। बाप की पहचान और सृष्टि के आदि मध्य अन्त का ज्ञान देते हैं। और श्रेष्ठ बनने लिए कहते हैं इन ल0ना0 जैसा सर्व गुण सम्पन्न बनना है। बाप कहते हैं पोतामेल निकालो। हम ऐसे शाहज़ादे बन सकते हैं। बनती प्रजा भी है परन्तु सजाएं खाकर। यह तो पास विथ आनर है।

बाबा ऐसेनहीं कहा था कि चाय नहीं पीओ। कोई को गैस हो जाती है, कोई को सुस्ती हो जाती है। बाप कहते हैं जरूरी पीने की आदत न होनी चाहिए। वहां चाय होती नहीं है। चाय होती है पहाड़ों पर। वहां तो पहाड़ों की दरकार ही नहीं। जो जाना पड़े। वहां तो दरकार ही नहीं। नेचरल तबीयत चलती है। आगे ठंढी पड़ती थी तो सिर्फ लाल चाय पीते थे। वहां तो दूध की नदियां बहेंगी। घी मक्खन भी होंगे। वहां तो गईयां बड़ी ही अच्छी होती है। बाबा श्रीनाथ द्वार से गईयों के चित्र ले आये थे कैसे फर्स्ट क्लास गईयां होती है बैकुण्ठ में। कृष्ण नहीं गईयां चराते थे। नाम तो बड़ा ही जबरदस्त है। बच्चों को पायन्ट बहुत अच्छी मिलती रहती है। बाहर वाले आते हैं तो रिफ्रेश होकर जाते हैं। नशा चढ़ता है ना। यह तो समझते हो अभी देरी बहुत है। परन्तु पायन्ट ऐसी2 मिलती है जो जाकर बाप का परिचय देवें। हम सभी आत्माएं भाई हैं। बाप एक है। तुम सभी भाई2 हो। जिसको ब्रदरहुड कहा जाता है। फादरहुड होता नहीं। ब्रदर्स का फादर एक होता है। सभी भगवान थोड़े ही हो सकते हैं। बेहद का बाप है ही स्वर्ग का स्थापना करने वाला। तुम आत्मा हो। वह परमपिता है। वह भी सुप्रीम आत्मा कहा जाता है। सुप्रीम अर्थात अथ= ऊंच ते ऊंच भगवान है रचयिता। नई दुनिया ही रचेंगे। क्योंकि रावण पुरानी दुनिया कर देती है। पुरानी दुनिया का रचयिता है रावण। यह तुम अभी जानते हो। सब से पहले सम्बत शुरु होता है जो हेविन में थे। आदी सनातन देवी देवताधर्म गाया जाता है। वह प्राचीन हुआ। कैसे स्थापन हुआ वह बनने चाहते हैं। प्राचीन भारत का योग कौन सा है। वह सिर्फ योग कहते हैं। ज्ञान और योग नहीं कहते। सिर्फ प्राचीन योग कहते रहते है। बाप तो नालेजफुल है तो ज्ञान भी देते हैं। योग से पवित्रता ज्ञान से सुख सभी बच्चों को मिलती है। तुम भी समझते होंगे बहुत सहज है परन्तुपत्थर बुधियों की बुधि में जब बैठे ना। कल्प2 जो हुआ वही होगा। राजाई स्थापन हो ही जावेगा। इसलिए फिक्र की बात ही नहीं। तुम बच्चों को अडोल रहना चाहिए। तूफान से हिलना न चाहिए। देखना है हमारे में क्या अवगुण है। अशान्ति नाम कब किसका तुम ने सुना है? शान्ति नाम सुना है। अशान्ति नाम कब नहीं सुनाहै। यह भी बैठ ख्याल करो लड़ाई कितने वर्ष नहीं लगेगी वर्ल्ड में। वह वर्ल्ड कोई इतने धर्म वाली नहीं होगी। बाबा सभी बन्ध कर देते हैं। कम से कम 35 सौ वर्ष लड़ाई दुःख होता नहीं। चलन तो बहुत ही अच्छी चाहिए। बाबा के बच्चे आसुरी गुण वाले हो न सकें। अच्छा गुडनाईट।